Cc – बहुत से सामरी विश्वास करते हैं युहोन्ना ४ का ३९ से ४२ | 1

– Save This Page as a PDF–

बहुत से सामरी विश्वास करते हैं

युहोन्ना ४:३९-४२

खोदाई: यहूदियों और सामरियों के बीच सामाजिक बाधाओं को देखते हुए, ये छंद आपको यीशु के बारे में क्या सिखाते हैं?

चिंतन: प्रभु द्वारा एक सामरी महिला को पहले व्यक्ति के रूप में चुनने के बारे में क्या महत्वपूर्ण था, जिस पर उसने स्वयं को प्रकट किया था? आप उस महिला से गवाह होने के बारे में क्या सीखते हैं?

जैसे ही सूखार के निवासी नगर से बाहर आये और उसकी ओर
बढ़े, यीशु बहुत प्रभावित हुआ (यूहन्ना ४:३०)। यह इस बात का पूर्वाभास था कि इस्राएल के बाहर के लोग बाद में उसके पास कैसे आएंगे। उस शहर के कई सामरियों ने उस महिला की गवाही के कारण यीशु पर विश्वास किया, “उसने मुझे वह सब कुछ बता दिया जो मैंने कभी किया था” (यूहन्ना ४:३९)। यरूशलेम में धार्मिक नेताओं से येशुआ को जो स्वागत मिला, उसमें और उसके बीच कितना अंतर था। लुका ने लिखा: परन्तु फरीसियों और तोरा-शिक्षकों ने बड़बड़ाते हुए कहा, “यह मनुष्य पापियों का स्वागत करता है और उनके साथ खाता है: (लूका 15:2)। वे क्रोधित थे क्योंकि वह वेश्याओं और इस महिला जैसे पापियों से बात करने को तैयार था। उन्होंने खुलेआम उसका उपहास करते हुए कहा: यह पेटू और पियक्कड़ है, महसूल लेने वालों और पापियों का मित्र है (मत्ती ११:१९)। उदाहरण के लिए, जब यीशु जक्कई के घर गए तो वे नाराज हो गए। सब लोग बुदबुदाने लगे, “वह पापी का अतिथि होने को गया है” (लूका १९:७)।

फरीसी, सदूकी और टोरा-शिक्षक अहंकारी थे, उनका मानना था कि जब मसीहा आएगा, तो वहउन्हें सही ठहराएगा। हालाँकि, सामरीलोगों का दृष्टिकोण इसके विपरीत था। वे जानते थे कि मशीहा ने क्या वादा किया था। हालाँकि मूसा की पाँच किताबें तानाख का एकमात्र हिस्सा थीं, उनका मानना था कि मसीहाई वादे अभी भी वहाँ थे। जैसा कि हमारे उद्धारकर्ता ने फरीसियों से कहा

Cc – बहुत से सामरी विश्वास करते हैं युहोन्ना ४ का ३९ से ४२ | 2

था: यदि तुम मूसा पर विश्वास करते हो, तो मुझ पर भी विश्वास करते हो, क्योंकि उसने मेरे बारे में लिखा है (यूहन्ना ५:४६)। उदाहरण के लिए, व्यवस्थाविवरण १८:१८a में, एडोनाई ने एक महान भाबिस्वबकता – मोशे जैसे राष्ट्रीय प्रवक्ता से वादा करते हुए कहा: मैं उनके लिए उनके साथी इस्राएलियों में से तुम्हारे जैसा एक भविष्यवक्ता खड़ा करूंगा, और मैं अपने शब्द उसके मुंह में डालूंगा। टोरा में उस स्त्री के वंश के बारे में परिचित वादे भी शामिल थे जो सर्प के सिर को कुचल देगा (उत्पत्ति 3:15); और इब्राहीम का वंश, जिस से सारी जातियां आशीष पाएंगी (उत्पत्ति १२:१-३)। इस तरह सामरी महिला को पता चला कि मसीहा आएगा।

रब्बियों ने सिखाया कि आने वाले विश्व में पूरे इस्राएल का हिस्सा होगा (मासेखेत अवोट १:१)। लेकिन सामरी लोग अपने बारे में इतने आश्वस्त नहीं थे। उन्हें निश्चित अहसास था कि वे पापी हैं। जब उन्होंने आने वाले मसीहा के बारे में सोचा, तो उन्होंने शायद कुछ हद तक डर के साथ इसका अनुमान लगाया था। लेकिन जब उनमें से एक ने घोषणा की कि वह आया है और उसके पापपूर्ण जीवन के बावजूद उसे स्वीकार कर लिया है, तो सूखार के लोग दौड़ पड़े।

सो जब सामरी उसके पास आए, तो उन्होंने उस से बिनती की, कि वह हमारे यहां रहे, और वह दो दिन तक ठहरा। और उसके वचनों के कारण बहुत से लोग विश्वासी बन गए।स्त्री ने बुआई की और यीशु ने कटाई की। उन्होंने स्त्री से कहा, “अब हम केवल तेरी बातों पर विश्वास नहीं करते; अब हम ने आप ही सुन लिया है, और जान गए हैं कि यह मनुष्य सचमुच जगत का उद्धारकर्ता है” (यूहन्ना ४:४०-४२)। यह एक उल्लेखनीय पुनरुद्धार था और इसने पूरे शहर को पूरी तरह से बदल दिया होगा।

ईसा मसीह की सामरी महिला से मुलाकात के तीन साल के भीतर, मसीहाई समुदाय का जन्म हुआ। यह बहुत तेजी से बढ़ा और यरूशलेम से लेकर सारे यहूदियाऔर सामरियातक, और वहां से पृथ्वी के छोर तक फैल गया (प्रेरितों का काम १:८)। इसका मतलब था कि सामरी महिला और सूखार के लोग जल्द ही संगति और शिक्षा पाने में सक्षम होंगे, वहां न तो हिब्रू था और न ही सामरी, यहूदी या गैर-यहूदी, दास या स्वतंत्र, पुरुष या महिला, लेकिन येशुआ हा-मेशियाक में सभी एक थे (गलतियों ३:२८).